पाठ - 1 (कृतिका)

इस जल प्रलय में

प्रश्न १- बाढ़ की खबर सुनकर लोग किस की तैयारी करने लगे?

उत्तर १- बाढ़ की खबर अर्थात् मृत्यु की पूर्व सूचना सुनकर भी लोगों ने ज़िन्दगी की आस नहीं छोड़ी उन्होंने जीवन की ज़रूरतों को एकत्रित करना प्रारंभ किया जैसे - ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी और कंपोज़ की गोलियाँ आदि।

प्रश्न २- बाढ़ की सही जानकारी लेने और बाढ़ का रूप देखने के लिए लेखक क्यों उत्सुक था ?

उत्तर २- लेखक एक साहित्यकार था और साहित्यकार का दायित्व है कि वह जीवन के सुख-दुख से दुनिया को परिचित करवाए। मौत को सामने देखकर भी लेखक अपने दायित्व से मुहँ न मोड़ सका। वह मौत के तांडव, रोमांच और आतंक को अपने शब्दों में वर्णित करना चाहता था ।वह चाहता था यदि ज़िन्दगी शेष रहे तो वह मौत की इस विनाशलीला से सबको परिचित करवाएगा इसलिए वह पटना शहर के विभिन्न इलाकों के बढते हुए पानी के स्तर को देखना चाहता था। अपनी जिज्ञासु प्रवृति के कारण वह इस दृश्य को अपनी आँखों से देखना चाहता था।

प्रश्न ३- सबकी जुबां पर एक ही जिज्ञासा-'पानी कहाँ तक आ गया है?'-इस कथन से जनसमूह कि कौन सी भावनाएँ व्यक्त होती है?

उत्तर ३- हमारी जिज्ञासा ही हमें जीवन के सत् से परिचित करवाती है। उपरोक्त वाक्य द्वारा हमें इस बात का एहसास होता है कि मनुष्य मौत से उत्पन्न भय को कम करने के लिए या शायद मौत की गवाही देने के लिए स्वयं को समर्पित कर देता है। अर्थात् वह अपनी मौत को देखकर विचलित तो होता है परन्तु अपनी जिज्ञासा का दमन नहीं कर पाता। जिस तरह हार-जीत के फैसले पर पहुँचा मैच दिल की धड़कनें बढ़ा देता है ठीक उसी तरह पानी का बढता स्तर तथा उसका वेग जन मानस को विचलित

कर रहा था। भयभीत नागरिक पानी के रूप में बढती अपनी मौत का मानो इंतज़ार कर रहे थे।

प्रश्न ४- मृत्यु का तरल दूत किसे कहा गया है? क्यों?

उत्तर ४- पानी के अमर्यादित रूप अथवा तरल रूप को बाढ़ कहा गया है। मर्यादित पानी हमें जीवन देता है जबकि वही पानी जब अमर्यादित होकर बाढ़ का रूप धारण करता है तब सब कुछ तहस-नहस कर देता है। बाढ़ में सिर्फ खेती-बाड़ी ही नहीं, पशु-पक्षी, मानव जीवन, सब कुछ तिरोहित हो जाता है इसलिए बाढ़ को मृत्यु का तरल दूत कहा गया है।

प्रश्न ५- आपादाओं से निपटने के लिए अपनी तरफ से कुछ सुझाव दीजिए।

उत्तर ५- कोई भी आपदा हमारी सामर्थ्य का परिचय बनकर आती है अर्थात् हम मुश्किलों से भागना चाहते हैं या उनका सामना करना चाहते हैं यह हमारे अपने स्वभाव पर निर्भर है। विभिन्न आपदाओं में हमें -

- अपने साहस व इच्छा शक्ति का परिचय देना चाहिए। चुनौतियों को चुनौती देने का सामर्थ्य जिस व्यक्ति के पास होता है वास्तविक तौर पर वही जीवन को जी सकता है।
- आपदाओं के समय हमें एकजुट होकर समस्याओं का सामना करना चाहिए।
- मरने से पहले न मरकर अपने प्रत्येक क्षण का हमें सदुपयोग करना चाहिए। स्वार्थ का त्याग करके परमार्थ हेतु दूसरों की ज़िन्दगी बचाने का प्रयत्न करना चाहिए।
- वृक्षारोपण अथवा पेड़ लगाकर हमें प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। प्रकृति के नियमों का पालन करना चाहिए जिससे ऐसी आपदाएँ न आएँ।

प्रश्न ६- "ईह! जब दानपुर डूब रहा था तो पटनियाँ बाबू लोग उलटकर देखने भी नहीं गए......अब बूझो।"- इस कथन द्वारा लोगों की किस मानसिकता पर चोट की गई है?

उत्तर ६- इस कथन द्वारा लेखक लोगों की संकीर्ण असहयोगपूर्ण मानसिकता का परिचय देते हुए प्रतीत होते हैं। स्वार्थी मानव दूसरों का सुख देखकर दुखी होता है। दूसरों के

दुख में दुखी होने के स्थान पर या तो वह बहुत खुश होता है या फिर तटस्थ भाव अपना लेता है। किसी दूसरे व्यक्ति को दुखी अथवा परेशान देखकर व्यक्ति संतुष्ट होता है और इस तरह मानवता दानवता की ओर अग्रसर हो जाती है।

प्रश्न ७- खरीद-बिक्री बंद हो चुकने पर भी पान की बिक्री अचानक क्यों बढ़ गई थी ?

उत्तर ७- पानी की बिक्री बढने का मुख्य कारण यह था कि दुकान पर रेडिओ लगा था। जहाँ से बाढ़ के विषय में ताज़ा जानकारी के समाचार प्रसारित हो रहे थे। जीवन के अंतिम क्षणों में भी व्यक्ति अपनी जिज्ञासा को दबा नहीं पाटा और ज़्यादा से ज़्यादा जानकारी प्राप्त कर स्वयं व्यथित प्रत्येक मनुष्य अपनी मौत के भय से आतंकित था इसलिए पानी की दुकान पर लोगों से बातचीत कर अपने इस भय को कम करना चाहता था।

प्रश्न ८- जब लेखक को यह अहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी घुसने की संभावना है तो उसने क्या-क्या प्रबंध किए?

उत्तर ८- जब लेखक को यह अहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी भरने की संभावना है तो उसने भी घर की ज़रूरत की चीज़ें एकत्र कर ली। जैसे- ईंधन, आलू, पीने का पानी आदि इसके अतिरिक्त उसने कुछ पत्र-पत्रिकाएँ भी एकत्र कर ली। एक साहित्यकार होने के नाते वह जीवन के अंतिम समय में भी कुछ पढ़ना व सीखना चाहता था।

प्रश्न ९- बाढ़ पीड़ित क्षेत्र में कौन-कौन सी बीमारियों के फैलने की आशंका रहती है ?

उत्तर ९- बाढ़ का पानी अपने साथ अनेक संक्रमण लेकर आता है। इस परिस्थिति में हैजा, प्लेग आदि रोगों के साथ-साथ पेट, आँख, त्वचा आदि के रोग फैलाने की आशंका रहती है।

प्रश्न १०- नौजवान के पानी में उतरते ही कुत्ता भी पानी में कूद गया। दोनों ने किन भावनाओं के वशीभूत होकर ऐसा किया?

उत्तर १०- कुत्ता अपनी स्वामी भक्ति के लिए प्रसिद्ध है। सहृदय व्यक्ति अपने पालतू-पशुओं को अपने बच्चों की तरह मानकर उनका पालन-पोषण करते हैं तो दूसरी तरफ कुछ व्यक्ति उन्हें अपना दुश्मन मानकर उनसे डरते थे। डॉक्टर के मना करने पर युवक अपने कुत्ते को छोड़ने का साहस नहीं कर पाता और पानी में कूद जाता है ठीक उसके पीछे-पीछे कुत्ता भी पानी में छलांग लगा देता है। परस्पर प्रेम का आवलंबन पाकर दोनों पानी की अनंत गहराइयों में विलीन हो जाते हैं।

प्रश्न ११- 'अच्छा है, कुछ भी नहीं। कलम थी वो भी चोरी हो गई। अच्छा है, कुछ भी नहीं मेरे पास। ' मूवी कैमरा, टेप रिकॉर्डर आदि की तीव्र उत्कंठा होते हुए भी लेखक ने अंत में उपर्युक्त कथन क्यों कहा ?

उत्तर ११- मौत को देखकर स्वभावतः मनुष्य के मन में वैराग्य की भावना आती है। यही वैराग्य लेखक के मन में भी आता है जब वह धीरे-धीरे पानी के बहाव में डूबते पेड़ टूटी दीवारों तथा अस्त-व्यस्त जीवन को देखता है। एक साहित्यकार होने के नाते पहले वह सोचता है कि काश पहले उसके पास मूवी-कैमरा होता परंतु अगले ही क्षण उसे अपनी ओर बढती मौत का अहसास होता है यकीनन जीवन की स्मृतियाँ जीवन होने तक ही रोमांचित कर पाती है जीवन के बाद नहीं।

प्रश्न १२- आपने भी देखा होगा कि मीडिया द्वारा प्रकट की गई घटनाएँ......

उत्तर १२- मीडिया आज के आधुनिक समाज में अहम भूमिका निभाता है। तिल का ताड़ बनाना इनके व्यवसाय का एक हिस्सा बन चुका है। जनता से सच्चाई को छुपाकर अथवा झूट को सच बनाकर यह जनता को गुमराह करते हैं। आरुशी हत्याकांड, निठारी केस आदि का संदर्भ में नकारात्मक भूमिका निभाई। समाचार पत्र समाज का आईना माने जाते हैं। दूरदर्शन पर किसी भी समाचार को सबसे पहले दिखाने का शौर्य प्राप्त करने वाले हमारे पत्रकार, संवाददाता यह भूल जाते हैं कि वह मानव मन की भावनाओं के साथ खेल रहे हैं। उनका यह खेल अथवा व्यवसाय अथवा जीतने की चाह आम जनता की नज़रों में उन्हें गिरा रही है। दिल्ली में आई बाढ़ की खबर को सनसनी खबर बनाकर प्रस्तुत करने वाले हमारे मीडियाकर्मी यह भूल गए कि वह दूर बैठे माँ बाप के अथवा भाई बहनों के दिलों में डर व दहशत पैदा कर रहे हैं।